चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-11-23	5	1-4

भास्कर खास • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने प्रदेश में उपज बढ़ाने में दिया महत्वपूर्ण योगदान

किसानों की मेहनत लाई रंग, 7 गुणा बढ़ा दिया खाद्यान्न उत्पादन

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा प्रदेश का 1 नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था उस समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़चढ़ कर 323 मिलियन टन होने की उम्मीद है। हमारी खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ती थी। हरियाणा का बासमती चावल भी विदेशों में जा रहा है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। इसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का खास योगदान रहा है, यूनिवर्सिटी ने अब तक अन्न, फल, सब्जी, तिलहन और चारा की 284 किस्में विकसित की है। यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से 580 एमओयू किए गए हैं। यूनिवर्सिटी 20 पेटेंट और 12 कॉपीराइट्स लिए हैं। हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि का बाजारा व चारा देशभर में सर्वश्रेष्ठ

हकृवि के बाजरा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। हकृवि के वैज्ञानिकों ने सरसों की आरएच 1975, आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक तीन नई उन्नत किस्में विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। हकृवि ने देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क एनआईआरएफ में कृषि शोध संस्थानों में 10वां स्थान प्राप्त किया है।

इस साल यूनिवर्सिटी में पहुंचे राष्ट्रपति व उप राष्ट्रपति

एचएयू बीते अप्रैल माह में 25वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने शिरकत की। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का भी हकृवि में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि आगमन हुआ। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नूंह में खुलने वाले विश्वविद्यालय के नए कृषि विज्ञान केंद्र का शिलान्यास किया है।

"प्रदेश के गठन के समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था, जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़कर 323 मिलियन टन पहुंच जाएगा। उत्पादन बढ़ाने में हकृवि का खास योगदान रहा है। यूनिवर्सिटी ने अब तक अन्न, फल, सब्जी, तिलहन और चारा की 284 किस्में विकसित की है। हरियाणा का बासमती चावल विदेशों में भी जा रहा है।" **प्रो. बीआर काम्बोज,** कुलपति, हकृवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1-11-23	4	1-3

आधुनिक तकनीकों का किसान ले रहे लाभ

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान्न उत्पादन में अपार वृद्धि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा प्रदेश है जबकि देश के खाद्यान्न भंडारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में शामिल है। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में बोलते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय हरियाणा प्रदेश के साथ नए संकल्पों व लक्ष्यों के साथ नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का एक नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था उस समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था । जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़चढ़ कर 185 लाख टन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। खाद्यान्नों के अधिक उत्पादन के चलते हरियाणा राज्य केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा बासमती चावल के लिए भी विशेष रूप से विख्यात है तथा देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। उन्होंने कहा कि हकृवि के बाजरा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने सरसों की आरएच 1975, आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक तीन नई उन्नत किस्में विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। कुलपति ने कहा कि हकृवि ने देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में 10वां स्थान प्राप्त किया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1-11-23	5	1-2

विश्वविद्यालय की उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से अन्य राज्यों के किसान भी उठा रहे लाभ : प्रो. काम्बोज

हिसार, 31 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा प्रदेश है जबकि देश के खाद्यान भंडारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में शामिल है। हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में बोलते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह बड़े गर्व का विषय है कि आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हरियाणा प्रदेश के साथ नए संकल्पों व लक्ष्यों के साथ नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का 1 नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था उस समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़कर कर 323 मिलियन टन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। खाद्यान्नों के अधिक उत्पादन के चलते हरियाणा राज्य केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा बासमती चावल के लिए भी विशेष रूप से विख्यात है तथा देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय आज सफलता से भरा वर्ष पीछे छोड़ रहा है। मैं इन सफलताओं के पीछे रीढ़ की तरह काम करने वाले अपने शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने अधिकार व दायित्व में सामंजस्य बनाए रखकर विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार कार्यक्रमों में अनेक उपलब्धियां हासिल करने के साथ विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि हकृवि के बाजरा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	31.10.2023	--	--

विश्वविद्यालय की उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से अन्य राज्यों के किसान भी उठा रहे लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा प्रदेश है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में शामिल है।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में बोलते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह बड़े गर्व का विषय है कि आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हरियाणा प्रदेश के साथ नए संकल्पों व लक्ष्यों के साथ नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का 1 नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था उस समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़चढ़ कर 323 मिलियन टन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। खाद्यान्नों के अधिक उत्पादन के चलते उन्होंने कहा कि हरियाणा बासमती चावल के लिए भी विशेष रूप से विख्यात है तथा देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय आज सफलता से भरा वर्ष पीछे छोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हकृवि के बाजरा और चारा अनुभागों को इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय की सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय में संरचनात्मक सुविधाओं में विस्तार करते हुए प्रशासनिक भवन में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नया सम्मेलन कक्ष भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने बीते अप्रैल माह में 25वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु जी ने शिरकत कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। देश के उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीप धनखड़ जी का भी हकृवि में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि आगमन हुआ। यह विश्वविद्यालय भविष्य में भी तरक्की के नए मुकाम बनाता रहेगा इसी कामना के साथ प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	01.11.2023	--	--

विश्वविद्यालय की उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से अन्य राज्यों के किसान भी उठा रहे लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार: प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान्न उत्पादन में अपार वृद्धि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करने, नई-नई तकनीकें इजाद करने, और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का

परिणाम है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा प्रदेश है जबकि देश के खाद्यान्न भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में शामिल है।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में बोलते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह बड़े गर्व का विषय है कि आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हरियाणा प्रदेश के साथ नए संकल्पों व उमंगों के साथ नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का 1 नवंबर 1966 को जब अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था उस समय खाद्यान्न उत्पादन मात्र 25.92 लाख टन था जोकि वर्ष 2022-23 में बढ़कर 323 मिलियन टन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 46.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.6 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। खाद्यान्नों के अधिक उत्पादन के चलते हरियाणा राज्य केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा बासमती चावल के लिए भी विशेष रूप से विख्यात है तथा देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय आज सफलता से भरे वर्ष पीछे छोड़ रहा है। मैं इन सफलताओं के पीछे रीढ़ की तरह काम करने वाले अपने शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने अधिकार व दायित्व में सामंजस्य बनाए रखकर

विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार कार्यक्रमों में अनेक उपलब्धियां हासिल करने के साथ विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन में योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि हकृवि के वर्तमान और भूत अनुभवों को इसकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों के परिणामस्वरूप दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड प्रदान किया गया। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने सरसों की आरएच 1975, आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक तीन नई उन्नत किस्में विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। कुलपति ने कहा कि हकृवि ने देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय में शोधात्मक सुविधाओं में विस्तार करते हुए प्रशासनिक भवन में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नया सम्मेलन कक्ष भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का नाम आज विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों में शुमार है। यहां के छात्रों का न केवल देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए चयन हो रहा है अपितु विदेशों में भी फैलोशिप पर जा रहे हैं और दूसरे देशों के छात्र भी यहां पढ़ने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने बीते अप्रैल माह में 25वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने शिरकत कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। देश के उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीप धनखड़ जी का भी हकृवि में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन अवसर पर अतीव सुखद आगमन हुआ। इस कृषि विकास मेले में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से करीब 2 लाख किसान शामिल हुए, जिन्होंने 2.02 करोड़ रुपये के बीज खरीदे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री माननीय श्री मनोहर लाल जी ने नूंह में खुलने वाले विश्वविद्यालय के नए कृषि विज्ञान केंद्र का शिलान्यास किया। यह विश्वविद्यालय भविष्य में भी तरक्की के नए मुकाम छूता रहेगा और किसानों की इसी प्रकार से सेवा करता रहेगा। इसी कामना के साथ प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

आपसी एकता से ही देश के विकास में गति संभव : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज लौह-पुरुष व भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विविधता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल ने देश की आजादी के बाद देश

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-11-23	4	7-8

एकता से ही देश के विकास में गति संभव : प्रोफेसर काम्बोज

हकृवि में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई

हकृवि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रन फॉर यूनिटी में दौड़ते हुए।

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज लौह-पुरुष व भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रमों का आगाज प्रातः रन फॉर यूनिटी- एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर वीसी ने विवि के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, सहायक कुलसचिव ताराचंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राड़, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	1.11.23	4	6-7

एचएयू में रन-फॉर यूनिटी में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज भी दौड़े

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लौह-पुरुष वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। रन फॉर यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उन्होंने कुछ दूरी तक खुद भी दौड़ लगाई। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, वित नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। संवाद

एचएयू में रन फॉर यूनिटी में दौड़ते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। स्रोत : संस्थान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1-11-23	3	5-6

एकता से ही देश का विकास : प्रो. काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लौह-पुरुष व भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रमों का आगाज प्रातः रन फार यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रन फॉर यूनिटी में दौड़ते हुए। • पीआरओ

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल ने देश की आजादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 560 से अधिक छोटी-छोटी रियासतों में बंटे इस देश को बिना रक्त बहे एक करके संगठित भारत की रचना की। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव डा. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डा. पवन कुमार, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, सहायक कुलसचिव ताराचंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राड़, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डा. भगत सिंह आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	1-11-23	11	4

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई पटेल की जयंती

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को लोह-पुरुष व भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रमों का आगाज प्रातः रन फॉर यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। एकता दौड़ में कुलपति स्वयं भी अन्य अधिकारियों के साथ शामिल हुए। इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	31.10.2023	--	--

सरदार पटेल जयंती पर हकृवि में रन-फॉर यूनिटी की आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज लौह-पुरुष व भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रमों का आगाज प्रातः रन फॉर यूनिटी- एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रन-फॉर यूनिटी को झण्डी दिखाते हुए।

एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल ने देश की आजादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 560 से अधिक छोटी-छोटी रियासतों में बंटे इस देश को बिना रक्त बहे एक करके संगठित भारत की रचना की। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। एकता दौड़ में कुलपति स्वयं भी अन्य अधिकारियों के साथ शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	31.10.2023	--	--

हकृवि में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर आयोजित की रन-फॉर यूनिटी व शपथ दिलाई

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज लौह-पुरुष व भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रमों का आगाज़ प्रातः रन फॉर यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विभिन्नता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल ने देश की आज़ादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 560 से अधिक छोटी-छोटी रियासतों में बंटे इस देश को बिना रक्त बहे एक करके संगठित भारत की रचना की। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। एकता दौड़ में कुलपति स्वयं भी अन्य अधिकारियों के साथ शामिल हुए। यह दौड़ विश्वविद्यालय के फव्वारा चौक से आरंभ हुई और लोगों को देश की एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डॉ.

अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, वित नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, सहायक कुलसचिव ताराचंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राव, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह सहित सभी कार्यालयों से शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	31.10.2023	--	--

हकृवि में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर आयोजित की रन-फॉर यूनिटी व शपथ दिलाई

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज लौह-पुरुष व भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रमों का आगाज़ प्रातः रन फॉर यूनिटी-एकता दौड़ से हुआ जिसका कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय से राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा विविधता में एकता हमारी पहचान है तथा यह इस देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल ने देश की आजादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने 560 से अधिक छोटी-छोटी रियासतों में बंटे इस देश को बिना रक्त बहे एक करके संगठित भारत की रचना की। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। एकता दौड़ में कुलपति स्वयं भी अन्य अधिकारियों के साथ शामिल हुए। यह दौड़ विश्वविद्यालय के [illegible] से आरंभ हुई और लोगों को देश की एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा, सहायक कुलसचिव लालचंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राहू, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. भगत सिंह सहित सभी कार्यालयों के शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2-11-23	6	6-8

हरे चारे में हिसार बरसीम-1 व 2 गुणकारी, हल्की और खारी मिट्टी पर भी देती हैं अच्छी पैदावार

जापानी सरसों या चाइनीज कैबेज को साथ मिलाकर बिजाई करें किसान

यशपाल सिंह | हिसार

हरे चारा के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की हिसार बरसीम-1 और हिसार बरसीम-2 प्रमुख किस्में हैं। बरसीम में 18-22 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा होने व 4-6 कटाइयां देने के कारण सर्दियों में पशु के लिए गुणकारी चारा माना जाता है। मध्यम से भारी मिट्टी बरसीम की फसल के लिए उपयुक्त होती है। इसे हल्की व खारी मिट्टी में भी उगाया जा सकता है। हकृवि के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने बताया कि 1 एकड़ के लिए 8-10 किलो बीज को एक प्रतिशत नमक के घोल में डालकर रखना चाहिए। बीज को चिटियों से बचाने के लिए मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूड़े का भुरकाव करें। पहली कटाई से अधिक तथा उत्तम किस्म का हरा चारा लेने के लिए बरसीम को जापानी सरसों या चाइनीज कैबेज के साथ मिलाकर बोना चाहिए। मिश्रित फसल में बरसीम के 8 किलो बीज के अतिरिक्त 500 ग्राम जापानी सरसों या चाइनीज कैबेज बीज एक एकड़ के लिए काफी है।

ये हैं बरसीम की उन्नत किस्में

- **मैस्कावी बरसीम:** ये पुरानी किस्म नवंबर से मई तक 4-5 अच्छी कटाइयां दे देती है। औसत पैदावार 250-270 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- **हिसार बरसीम-1:** यह किस्म मैस्कावी के मुकाबले अधिक पैदावार, जल्दी बढ़वार एवं अच्छी गुणवत्ता वाली और 8-10 दिन अधिक हरी रहने वाली किस्म है। यह 280-300 क्विंटल प्रति एकड़ हरा चारा देती है। इस तना गलन एवं जड़ गलन रोगों की प्रतिरोधी है।

बरसीम की फसल की फाइल फोटो

- **हिसार बरसीम-2:** यह किस्म 310-325 क्विंटल प्रति एकड़ हरा चारा देती है। अधिक पैदावार के लिए इसके बीज को जीवाणुओं राइजोबियम कल्चर से बिजाई से पहले टीकाकरण करना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1-11-23	5	6-8

जलवायु परिवर्तन की स्थिति में बढ़ती जनसंख्या के लिए पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना ज़रूरी : डॉ. जॉन्स

कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद डॉ. रोबर्ट जे. जॉन्स एवं हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 31 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 21वीं शताब्दी में कृषि का भविष्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस, यूएसए के चांसलर डॉ. रोबर्ट जे.जॉन्स रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह व्याख्यान का आयोजन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस, यूएसए द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. रोबर्ट जे.जॉन्स ने जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, व सतत कृषि विकास जैसे मुद्दों को चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर जोर देते हुए कहा कि विश्व में बढ़ती जनसंख्या के लिए जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव चिंतनीय हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन से हो रहे दुष्प्रभावों से निपटने के लिए न केवल पॉलिसी प्लानर बल्कि कृषकों व आम जनता को भी सतर्क रहने की जरूरत है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि तीव्र गति से बढ़ रही जनसंख्या की भोजन और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कृषि उत्पादन बढ़ाना 21वीं सदी की एक प्रमुख चुनौती है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन के खतरे ने वैज्ञानिकों में चिंता पैदा कर दी है क्योंकि इससे फसल उत्पादन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाता है। क्योंकि क्योंकि यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 14.1 प्रतिशत का योगदान देता है। यह क्षेत्र राज्य की लगभग 51 प्रतिशत कामकाजी आबादी को रोजगार भी प्रदान करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस के कृषि उपभोक्ता एवं पर्यावरण विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता जर्मन बॉलेरो ने कृषि से जुड़ी चुनौतियों जैसे फसल विविधिकरण, सतत कृषि विकास, उत्पादन में वृद्धि व पर्यावरण परिवर्तन पर चर्चा करते हुए कहा कि इन समस्याओं को प्राकृतिक खेती, कृषि से जुड़ी उच्च स्तरीय तकनीकें, उन्नत किस्में व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर हल किया जा सकता है। कृषि एवं जैविक इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर विजय सिंह ने बताया कि विश्व के सतत विकास के लिए पौष्टिक अनाज व नवीनीकरणीय ऊर्जा पर कार्य करने की जरूरत है।